Class – B.A – 2 (Subsidiary)
Name of the Guest Teacher – Khushbu kumari,
dept. of Pol. science, V.S.J. College, Rajnagar, Lnmu

Page No.
Date

Topic – दबाव समूह
(राजनीतिक दल से सम्बन्ध तथा अन्तर एवं महत्व तथा उपयोगिता)

राजनीतिक दल तथा दबाव समूह दोनों ही सामान्यतः संविधानेतर तत्व हैं जो संविधान और शासन के द्वारा स्थापित संस्थाओं के पूरक तत्व के रूप में कार्य करते हैं। दोनों ही राजनीतिक प्रक्रिया के अंग हैं जो शासन की नीतियों को प्रभावित करने का प्रयास करते हैं। राजनीतिक दल और दबाव समूह में कुछ समानताओं के बावजूद दोनों भिन्न होते हैं। ये भिन्नताएँ निम्नलिखित हैं —

(1) शासनसत्ता के संदर्भ में अंतर — राजनीतिक दल का प्रमुख और घोषित उद्देश्य शासन सत्ता को प्राप्त करना होता है। इसीलिए वे चुनाव में उम्मीदवार खड़े करते हैं, उन्हें विजयी बनाने का प्रयत्न करते हैं। लेकिन दबाव समूह शासन सत्ता प्राप्त करने का प्रयत्न नहीं करते। वे तो विधायकों, निर्वाचित पदाधिकारियों, प्रशासनिक अधिकारियों तथा कर्मचारियों पर दबाव डालकर सार्वजनिक नीति और शासन को प्रभावित करने का प्रयास करते हैं।

(2) उद्देश्य और कार्यक्रम का अन्तर — राजनीतिक दल का सम्बन्ध राष्ट्रीय हित की सभी समस्याओं और प्रश्नों से रहता है, अतः

Scanned with CamScanner

उनका कार्यक्रम ज्यादा व्यापक होता है लेकिन दबाव समूह एक विशेष वर्ग के हितों का ही प्रतिनिधित्व करते हैं। अतः उसका कार्यक्रम अपेक्षाकृत सीमित होता है।

(3) स्वरूप में अंतर — दबाव समूह उन्हीं व्यक्तियों का समूह होता है, जिनके विशेष विषय के सम्बन्ध में समान हित और समान रुचि होती है। अतः विचारों की यह संगति दबाव समूह को एकता और सजातीयता प्रदान करती है लेकिन राजनीतिक दल का उद्देश्य व्यापक सामाजिक और राजनीतिक कार्यक्रम पर आधारित होता है। अतः उनमें उस सीमा तक सजातीयता की स्थिति नहीं होती, जो दबाव समूहों में देखी जाती है।

(4) आकार और सदस्यता की दृष्टि से अंतर — राजनीतिक दल बहुत बड़े संगठन होते हैं जो लाखों, करोड़ों मतदाताओं का समर्थन प्राप्त करने का प्रयास करते हैं जबकि दबाव समूह आकार और सदस्यता की दृष्टि से अपेक्षाकृत छोटे होते हैं।

(5.) संगठन संबंधी अंतर — राजनीतिक दल औपचारिक रूप से संगठित होते हैं, किन्तु दबाव समूह औपचारिक रूप से संगठित या असंगठित दोनों ही स्थितियों में हो सकते हैं।

(6) साधन सम्बन्ध अन्तर — राजनीतिक दलों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे अपने लक्ष्य

की प्राप्ति के लिए संवैधानिक साधनों को ही अपनायेंगे, लेकिन दबाव समूह के द्वारा आवश्यकतानुसार संवैधानिक और असंवैधानिक सभी प्रकार के साधन अपनाये जा सकते हैं।

दबाव समूह के कार्य, उनका महत्व तथा उपयोगिता

दबाव समूहों के कार्य, महत्व तथा उपयोगिता निम्नलिखित हैं—

(1) दबाव समूहों को लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था का साधन माना जाता है। लोकतंत्र की सफलता के लिए लोकमत तैयार करना आवश्यक है। दबाव समूह लोकमत को शिक्षित करके, निर्माताओं के पास आवश्यक सूचनाएँ पहुँचाकर अपने अभीष्ट की प्राप्ति ~~अभीष्ट की प्राप्ति~~ करने का प्रयास करता है।

(2) शासन की सूचनाओं के गैर-सरकारी स्रोत के रूप में दबाव समूह महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं।

(3) दबाव समूहों का अस्तित्व एक ऐसी संस्था के रूप में है जिनके पास इस दृष्टि से काफी शक्ति होती है कि वे स्वार्थ या हित विशेष की रक्षा के लिए सरकारी मशीनरी पर प्रभाव डाल सके।

Scanned with CamScanner

Page No.
Date

(4.) प्रत्येक शासन - व्यवस्था में केन्द्रीकरण की प्रवृत्ति बढ़ रही है। दबाव समूह अपने सदस्यों द्वारा सरकारी निरंकुशता को परिसीमित करते हैं।

(5.) दबाव समूह क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व के पूरक के रूप में कार्य करते हैं।

(6) दबाव समूह विधि-निर्माण में विधायकों की सहायता करते हैं। अपनी विशेषता के कारण ये गुट विधि-निर्माण समितियों के सदस्यों को आवश्यक परामर्श देते हैं। इनका परामर्श और सहायता होने से इतनी उपयोगी होती है कि इन्हें विधानमण्डल के पीछे की विधानमण्डल कहा जा सकता है।

Scanned with CamScanner